न्यायालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट,नागौर

पीठासीन अधिकारी–पीयुष समारिया, आई.ए.एस.

प्रार्थना पत्र प्रकरण संख्या– 141/2022
जी.सी.एम.एस. पोर्टल नम्बर– 2022/167

प्रार्थी	बनाम	अप्रार्थीगण
आवास फाईनेंसियर्स लिमिटेड (जो पूर्व में ए.यू. हाउसिंग फाईनेन्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) जिसका मुख्य व्यावसायिक कार्यालय 201–2012, द्वितीय तल, साउथ एंड स्क्वायर, मानसरोवर इण्डस्ट्रीयल एरिया, जयपुर–302020 राजस्थान जरिये प्राधिकृत अधिकारी श्री छोटू सिंह राठौड		1. बक्शाराम पुत्र मोहनलाल पता–604 बास गुर्जर खेडा ताउसर ताउसर बी.ओ. जिला नागौर 341001 राजस्थान द्वितीय पता– बक्शाराम आवासीय सम्पति अवस्थित पटटा नम्बर 10, बुक संख्या 46, ग्राम पंचायत गुर्जर खेडा ताउसर तहसील एंव जिला नागौर राजस्थान 2. श्रीमति आचुडी पत्नि बक्शाराम पता–604 बास गुर्जर खेडा ताउसर ताउसर बी.ओ. जिला नागौर 341001 राजस्थान

आदेश **दिनांक:** 16-5-2022

प्रार्थी की ओर से यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत पेश हुआ।

वकील प्रार्थी को सुना गया। वकील प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों में यह कथन किया है कि प्रार्थी बैक ने अप्रार्थी/ ऋणी को रूपये **3,30,000/–(अक्षरे तीन लाख तीस हजार रूपये मात्र) ऋण सुविधा दिनांक 08.04.2019** को ऋण उपलब्ध करवाया गया। अप्रार्थीगण/ऋणी द्वारा उक्त प्राप्त ऋण की सुविधा के एवज में **सम्पति – श्री बक्साराम आवासीय सम्पति अवस्थित पटटा नम्बर 10 बुक संख्या 46 ग्राम पंचायत गुर्जर खेडा ताउसर तहसील व जिला नागौर राजस्थान जिसका क्षेत्रफल 510 वर्ग फुट तथा पडौस निम्न है– उत्तर में– बुलाराम का मकान, दक्षिण में– जीतूराम का मकान, पूर्व में– नैमाराम का मकान, पश्चिम में– स्वंय की जमीन एंव निकाल** जो प्रार्थी बैक के पास ऋण अदायगी हेतु ऋणी एंव जमानतदार ने आवश्यक दस्तावेज निष्पादित किये।

अप्रार्थीगण/ऋणी ने उपलब्ध ऋण का बैक के नियमानुसार भुगतान नही चुकाया। जिसकी वजह से उक्त खाते को **दिनांक 06.11.2021 को एन.पी.ए.** घोषित कर दिया गया व अप्रार्थी/ऋणी के ऋण खाते में **रूपये 3,59,787/–(अक्षरे तीन लाख उनसठ हजार सात सौ सितियासी रूपये मात्र) दिनांक 27.12.2021 तक शेष देय** बकाया निकलते हैं।

Signature Not Verified
Digitally signed by Peeyush Samariya
Date: 2023.06.09 10:09:32 IST
Reason: SelfAttested

उक्त ऋण खाते में ऋणी द्वारा [illegible] भुगतान नहीं करने पर एन.पी.ए. घोषित होने के बाद एक्ट की धारा 13 (2) के अन्तर्गत प्रार्थी बैक ने ऋणी/अप्रार्थी को दिनांक **30.12.2021** को रजिस्टर्ड [illegible] का अखबार में प्रकाशन भी करवाया गया परन्तु अप्रार्थीगण द्वारा ऋण राशि जमा [illegible] करवायी गई व न बं[illegible] सम्पति सम्पूर्ण

जिला मजिस्ट्रेट
नागौर

कब्जा प्रार्थी बैक को दिया गया। ऋणी को उपरोक्त नोटिस के अनुसार 60 दिन के अन्दर–अन्दर ऋण राशि **रूपये 3,59,787/–(अक्षरे तीन लाख उनसठ हजार सात सौ सितियासी रूपये मात्र) दिनांक 27.12..2021** तक **शेष देय** को जमा कराना था परन्तु ऋणी/अप्रार्थीगण ने उपरोक्त नोटिस के अनुसार ऋण राशि जमा नहीं करवाई, के कारण एक्ट की धारा 13 (4) के अन्तर्गत कार्यवाही करना आवश्यक हो गया है।

एक्ट की धारा 14 (1) के अन्तर्गत प्रार्थी बैक को बंधक सम्पति का ऋणी एवं जमानतियों से कब्जा लेने में सहायता आवश्यकता है, के कारण प्रार्थी बैक ने जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष बैक सिक्योरिटीज एवं सिक्योरिटीज से संबंधित डोक्यूमेन्ट का ऋणी/जमानती से कब्जा लेकर प्रार्थी बैक को कब्जा दिलवाने के लिये प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है।

बैक सिक्योरिटीज सम्पति का विवरण :– **श्री बक्साराम आवासीय सम्पति अवस्थित पटटा नम्बर 10 बुक संख्या 46 ग्राम पंचायत गुर्जर खेडा ताउसर तहसील व जिला नागौर राजस्थान जिसका क्षेत्रफल 510 वर्ग फुट तथा पडौस निम्न हैं– उत्तर में– बुलाराम का मकान, दक्षिण में– जीतूराम का मकान, पूर्व में– नैमाराम का मकान, पश्चिम में– स्वंय की जमीन एंव निकाल** जो प्रार्थी बैक के पास हाईपोथीकेटेड है, का कब्जा लेना है।

अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर प्रार्थना पत्र में वर्णित सम्पत्ति का कब्जा संबंधित डौक्यूमेन्टस का कब्जा एक्ट की धारा 14 के अनुसार ऋणी/अप्रार्थीगण से प्रार्थी बैक को कब्जा दिलाने का आदेश जारी करने हेतु निवेदन किया है।

पत्रावली का अवलोकन किया गया। पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि ऋणी/अप्रार्थीगण ने प्रार्थी बैक से **3,30,000/–(अक्षरे तीन लाख तीस हजार रूपये मात्र) ऋण सुविधा दिनांक 08.04.2019** को प्राप्त की थी। उक्त ऋण के बदले में इकरारनामा व उससे संबंधित दस्तावेज तैयार कर अपने हस्ताक्षर से प्रार्थी बैक के पक्ष में निष्पादित किये थे। प्रार्थी बैक द्वारा नियमानुसार ऋण वसूली के लिये आडिनेन्स की धारा 13 (2) के अन्तर्गत नोटिस जारी करना पाया जाता है।

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 में उपरोक्तानुसार रहन की गयी सम्पत्ति को प्रार्थी के कब्जे में दिलाये जाने का स्पष्ट प्रावधान है। जो इस प्रकार हैः– प्रतिभूति आस्थी का कब्जा लेने में प्रतिभूति लेनदार की सहायता करने के लिये मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट जहां किसी प्रतिभूति आस्तियों का कब्जा प्रतिभूत लेनदार द्वारा लिये जाने की आवश्यकता हो, या यदि किन्ही प्रतिभूत आस्तियों का विकय या अन्तरण प्रतिभूत लेनदार द्वारा इस अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत किये जाने की आवश्यकता हो, तो प्रतिभूत लेनदार किसी प्रतिभूत आस्ति के कब्जे या नियंत्रण को लेने के प्रयोजन के लिये, लिखित में मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट को उनकी अधिकारिता के भीतर अनुरोध करेगा, ऐसी कोई प्रतिभूत आस्ति या उससे संबंधित अन्य दस्ता[illegible] जा सकेगा,उसका कब्जा लेने के लिये अनुरोध करेगा,और मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट जो स्थित हो, उसको किये गये उस अनुरोध पर (क) उस आस्ति और उससे संबंधित दस्तावेजों का कब्जा लेगा, और (ख) प्रतिभूत लेनदार को उन आस्तियों और दस्तावेजों को भेजेगा।

Signature Not Verified
Digitally signed by Peeyush Samariya
Date: 2023.06.09 10:09:32 IST
Reason: SelfAttested

न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट नागौर (राज.)

जिला मजिस्ट्रेट
नागौर

REDMI NOTE 6 PRO
MI DUAL CAMERA